विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

www.vidarbhswabhiman.com

❖ अमरावती, गुरूवार 20 से 26 जून 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 52 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881 पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

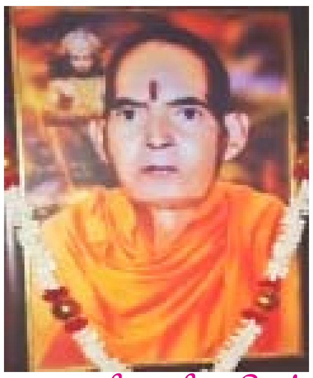

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

जीवन में आपकी खुशियों के लिए सुबह से ही त्याग करना शुरू करता है, यह उसकी दिनचर्या हो गई हो, उस माता-पिता के लिए अथवा पति के लिए सोचना भी जिम्मेदारी होती है. प्रेम तो देने का नाम है, केवल लेने का नाम प्रेम नहीं हो सकता है. इसलिए संबंधों की मजबूती के लिए अपनों के दर्द को भी समझते हुए उसे राहत देने का सदैव प्रयास करें. वर्ना एक दिन चाहने वाला भी यह सोचकर अच्छाई छोड़ देता है यह सोचकर की सारी दुनिया को केवल अपनी ही पड़ी है, दुनिया में सभी स्वार्थी हैं. आपका दिन मंगलमय हो.

पीएनबी में ऐसे खातों पर गिरेगी गाज

1 जुलाई से होगा बंद, अगर कई साल से बंद है खाता तो होगा पूरी तरह से बंद

विदर्भ स्वाभिमान, 19 जून

नई दिल्ली-क्या आपका पंजाब नेशनल बैंक में सेविंग अकाउंट है. इस अकाउंट में पिछले लंबे समय से आपने कों व्यवहार नहीं किया है. ऐसे करोड़ों खाताधारकों का खाता अगर उनके द्वारा समय रहते केवायसी नहीं कराया गया तो बैंक द्वारा बंद करने का फैसला लिया गया है. बैंक के इस फैसले से संबंधित खाताधारकों को सचेत किया गया है. अगर आपका भी पंजाब नेशनल बैंक में अकाउंट है तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है. अगर आपने पिछले कई सालों से अपना अकाउंट इस्तेमाल

विदर्भ स्वाभिमान

नहीं किया है, तो आपका अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएगा. सेविंग अकाउंट की सेफ्टी को देखते हुए पंजाब नेशनलन बैंक ने यह फैसला किया है.

10 साल से निष्क्रिय खाते बंद करने का दिया गया निर्देश

सुदर्शन गांग

इस बारे में विदर्भ की लोकप्रिय अभिनंदन बैंक के प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष सुदर्शन गांग से विदर्भ स्वाभिमान द्वारा बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि रिजर्व बैंक के निर्देश पर ऐसे बचत खातों को बंद करने का निर्देश दिया गया है, जिन खातों में पिछले दस साल से किसी तरह का व्यवहार नहीं किया गया है. ऐसे खातों की जानकारी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मंगाई गई है. राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ ही सहकारी बैंकों को भी यह नियम लागू रहने की जानकारी दी.

बड़ी संख्या में बैंक में ऐसे ग्राहक हैं, जिनका बचत खाता पिछले कई वर्षों से सक्रिय नहीं है. ऐसे करोड़ों खाताधारकों को ध्यान में रखते हुए खाते की सुरक्षा कगे लिए बैंक द्वारा यह कदम उठाया गया है. पीएनबी बैंक ऐसे अकाउंट जिन्हें पिछले कई सालों से यूज हीं **शेष पेज 2 पर**

संपादकीय

यंत्रणा की खामी से बना डाक्टर समाज के लिए खतरा

भारत को योग्यताओं की खान कहा जाता है. इसके लिए हर भारतीय का अभिनंदन किया जाना चाहिए.नीट की परीक्षा को लेकर बरती जा रही सुप्रीम कोर्ट की नाराजी और अन्य बातों को लेकर जिस तरह से देश में चर्चाएं चल रही हैं, वह योग्यता के मामले में उचित नहीं है. नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी के लिए सर्वोच्च अदालत द्वारा राष्ट्रीय टेस्ट एजेंसी को ही पूरी तरह से जिम्मेदार बताते हुए स्पष्ट किया है कि परीक्षा में 0.001 फीसदी भी अगर गड़बड़ी हुई है तो निश्चित तौर पर उसके लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ही जिम्मेदार है. वह अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है. उसका काम सुधारे और भविष्य में युवाओं के भविष्य और योग्यता से जुड़े इस तरह की खामी किसी भी कीमत पर नहीं होने पाए, इस दिशा में वह प्रयास करे. सवाल यह है कि मशीनरी की लापरवाही से अगर गलत व्यक्ति डाक्टर बन गया तो उसका खामियाजा देशवासियों को भुगतना पड़ता है. यह मामला उतनी ही गंभीरता से लिया जाना चाहिए. केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने भी परीक्षा लेने में कई गड़बड़ी की बात स्वीकार की है. यह संतोष की बात है. लेकिन साथ ही छात्रों द्वारा की गई मेहनत, अभिभावकों की आशाओं को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी नहीं हो.

देश में डाक्टर बनाने वाली और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक नीट की परीक्षा में जिस तरह से गड़बड़ी हुई है, उसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है. लाखों रूपए की फीस भरकर अपने बच्चों को डाक्टर बनाने का सपना संजोने वाले लाखों पिता के सपने जहां टूटे हैं, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर की इस तरह की परीक्षाओं में गड़बड़ी से छात्रों का टूटने वाला भरोसा और उससे पैदा होने वाली कुंठा की तुलना नहीं की जा सकती है. आखिर कहां गड़बड़ी हुई है, इसकी गहराई से जांच करने के साथ ही सरकार को इस मामले को अत्याधिक गंभीरता से लेना चाहिए. नीट की परीक्षा में कुछ राज्यों में इससे पहले भी गड़बड़ी हुई है. लेकिन इस बार की गड़बड़ी को लेकर सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से सख्त है, वह गंभीर बात है. नीट दोबारा अगर ली जाती है तो 4-5 सप्ताह में परीक्षा परिणाम संभव हो सकेगा. लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि इस तरह छात्रों के जीवन और सपनों से जुड़ी इस परीक्षा के मामले में इस तरह की गड़बड़ी आखिर कैसी हो सकती है. परीक्षाओं की विश्वसनीयता प्रभावित होना किसी भी कीमत से देश के हित में नहीं है. छात्रों का भरोसा टूटने का क्या दर्द होता है, इसका अंदाज वही लगा सकता है, जो मेहनत से इस परीक्षा की तैयारी कर रहा है. परीक्षा को लेकर कई माता-पिता ऐसे भी हैं जो सब कुछ गिरवी रखकर इस परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग लगाते हैं. इतना सब करने के बाद भी केवल कुछ स्वार्थियों के कारण अगर धांधली होती है. एजेंसी के जो भी लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए. पेपर लीक होने पर परीक्षा रद्द होनी चाहिए लेकिन यह भी छात्रों पर अन्याय ही है.अदालत के मुताबिक सिस्टिम की खामी का लाभ उठाकर बना डाक्टर निश्चित तौर पर समाज के लिए हानिकारक होगा. ऐसे में इसे संजीदगी से लेते हुए मौका नहीं दिया जाना चाहिए.

लोकतंत्र के नाम पर सब कुछ चलता

विदर्भ स्वाभिमान

मेरी तो खरी-खरी

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है. पिछले कुछ वर्षों में राजनीति में जितना उतार आया है और नैतिकता, पार्टी निष्ठा खत्म हुई है, उसको ध्यान में लिया जाए तो बड़बोले लोग लोगों को पसंद नहीं हैं, यह बात साबित हुई है. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से राज्य के राजनीतिक दलों में तैयारी शुरू हो गई है. महाराष्ट्र में झटके के बाद भाजपा जहां संभल कर कदम उठा रही है, वहीं दूसरी ओर महाविकास आघाड़ी में उत्साह है. विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की 25 जून को दिल्ली में बैठक हो रही है, इसमें विदर्भ की सीटों की समीक्षा की जाएगी. विदर्भ ने इस बार भाजपा को झटका दिया, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है. लेकिन अभी भी स्थिति को संभालने का प्रयास भाजपा को करना होगा. पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी द्वारा बरती गई गलतियां ही इस चुनाव में भी दिखाई दी.

बढ़ती राजनीतिक अनैतिकता के साथ ही जिस तरह से राजनीतिक खेल चल रहा है, क्या इसे ही गरिमामय लोकतंत्र कहा जाए, क्या लोकतंत्र में यही सब हमारे लाखों महान स्वाधीनता सेनानियों को अपेक्षित था. यहां विडंबना यह है कि लोकतंत्र में जो राजा मतदाता होना चाहिए, वह भिखारी से भी बद्हाल स्थिति में पहुंच गया है और उसके वोट से कुर्सी सत्ता प्राप्त करने वाले लक्ष्मी पति बन गए हैं. महाराष्ट्र में राज्यसभा चुनाव के बाद विधान परिषद चुनाव में जिस तरह से नेताओं का रवैया लोगों के सामने आता है, उससे यहीलगता है कि अन्य योग्यता की बजाय लोकतंत्र में पैसा ही सबसे बड़ी योग्यता बन गया है. लोकसभा में आधे से अधिक ऐसे लोग चुनकर आए हैं, जिनके खिलाफ संगीन मामले दर्ज किए गए हैं. इन्हें चुनने वाले लोग ही हैं. आमतौर पर हमारे

देश में लोकतंत्र तो कुछ लोगों के लिए बेहतरीन है लेकिन जो गरीब हैं,किसान हैं या जिनकी पहुंच नहीं है, ऐसे लोगों के लिए मजबूरी बन गया है. चुनाव के समय हम ऐसे लोगों को क्यों चुनकर देते हैं, जिनके खिलाफ विभिन्न प्रकार के आपराधिक मामले दर्ज होते हैं. जब गलत लोगों को हम लोकतंत्र के मंदिर में भेजेंगे तो बहुत अच्छी पहल की अपेक्षा नहीं की जा सकती है. आज देश में किसानों की समस्याओं के साथ ही शिक्षा इस कदर महंगी होती जा रही है कि गरीब के बच्चे का पढ़ना मुश्किल हो गया है. इसी तरह देश में आज कुपोषण जैसी गंभीर समस्या है. ऐसे में राजनेताओं में केवल अपनी कुर्सी बचाने की चाहत ही देखी जाती है. पहले देशवासियों को सुधरना होगा, अच्छे लोगों को चुनना होगा, तभी देश में सुजलाम-सुफलाम वाली स्थिति आ सकती है. वर्ना लोकतंत्र के नाम पर सब चल ही रहा है.

हर-हर महादेव की हुई गूंज,मोदी ने की आरती

पेज 3 से जारी- माँ गंगा की आरती में शामिल होकर आस्था प्रकट कर चुके हैं.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के घाट पर पहुंचते ही जनता ने 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ उनका अभिवादन किया. गंगा में बनीं ख़ास फ्लोटिंग जेटी पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माँ गंगा का पूरे विधि विधान से पूजन व आरती की. प्रधानमंत्री, राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घाट की मणि पर बैठकर आरती के पहले भजन भी सुने. इस दौरान प्रधानमंत्री ताली बजाते, भजन गुनगुनाते आस्था की गंगा में गोते लगाते मंत्रमुग्ध दिखे. देर तक हुए शंखनाद के बाद मोदी ताली बजाते हुए दिखे. अंत में सभी ने जयकार भी लगाया. भव्य महाआरती में सात की जगह नौ अर्चकों ने मां गंगा की आरती की व 18 देव कन्याओं ने इस महाआरती को भव्य रूप दिया.सोमनाथ से बाबा विश्वनाथ की धरती पर आकर वर्ष 2014 में चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दशाश्वमेध घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध आरती में शामिल हुए थे. इसके बाद कई बार प्रधानमंत्री गंगा आरती में शामिल हो चुके हैं. तीसरी बार काशी से सांसद बनने व प्रधानमंत्री पद की हैट्रिक लगाने के बाद पहली बार गंगा आरती में शामिल हुए. पीएम के स्वागत के लिए लगभग 10 कुंटल फूल मालाओं से दशाश्वमेध घाट को भव्य रूप से सजाया गया था. दीपों से घाट का कोना कोना जगमग किया गया था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी के दशाश्वमेध घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध मां गंगा की आरती में पांचवीं बार सहभागी हुए हैं. उन्होंने वाराणसी का जिस तरह से विकास किया है, वह भी अनुकरणीय पहल से कम नहीं है.

बंद होगा पीएनबी में बचत खाता

पेज 1 से जारी-किया गया उन्हें इस महीने तक अंत तक 30 जून 2024 तक बंद करने वाला है. बैंक ने अपने नोटिफिकेशन में ऐलान किया है कि जिन अकाउंट में पिछले 3 साल से कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है. साथ ही जिनका अकाउंट बैलेंस पिछले तीन साल से जीरो रुपये पर बना हुआ है. वह उसे बंद कर देगा.

एक्टिव रखना है तो यह करें

अगर आप उन अकाउंट को एक्टिव रखना चाहते हैं तो बैंक ब्रंच जाकर तत्काल केवाईसी तुरंत करा लें. नहीं तो 1 जुलाई 2024 को ये बैंक अकाउंट बंद हो जाएंगे. बैंक ने समय सीमा 30 जून 2024 तक के लिए बढ़ा दी है. उसके बाद ये अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएंगे. बैंक के जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक अकाउंट का कैलकुलेशन 30 अप्रैल 2024 के अकाउंट का कैलकुलेशन 30 अप्रैल 2024 के आधार पर किया जाएगा.केवल राष्ट्रीयकृत बैंक ही नहीं बल्कि सहकारी बैंकों को भी भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा जारी किया गया यह आदेश लागू रहने वाला है. उल्लेखनीय है कि कई लोगों द्वारा बचत खाता खोलकर रखा गया है. लेकिन इसमें कई वर्षों से किसी तरह का व्यवहार नहीं होने के कारण यह निष्क्रिय हैं और बैंक के सिरदर्द बने हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

गौरव की बात : दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल, करोड़ों भक्तों का सीना चौड़ा

बनारस में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आदित्य योगीनाथ भी शामिल, उमड़े हजारों भक्त

वाराणसी- प्रधानमंत्री के रूप में जब से नरेन्द्र मोदी ने देश का नेतृत्व संभाला है, तभी से सनातन धर्म तथा हिन्दू धर्म की महत्ता भी तेजी से बढ़ रही है. सभी धर्मों का जहां वे सम्मान करते हैं, किसी भी धर्म के बारे में कभी कुछ नहीं बोलते हैं, वहीं दूसरी ओर सनातन धर्म को लेकर परम्पराओं का पालन करने की उनकी अदा ने करोड़ों अनुयायी तैयार किए हैं. बनारसी स्टाइल में गले में गमछा डालकर जब उन्होंने आरती की तो देश ही नहीं तो पूरे विश्व में रहने वाले भारतीयों विशेष रूप से हिन्दू भाईयों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. यह धर्म की महत्ता है, जो विश्व को परिवार और भाई मानता है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल होने पहुंचे तो बनारसी स्टाइल में गमछा उनके गले में दिखा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेहदीगंज में किसान सम्मेलन को संबोधित करने के बाद माँ गंगा का दर्शन और आरती में सहभागी हुए. इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सहभागी हुए. भक्तों की अपार भीड़ भी आरती में सहभागी होकर स्वयं को धन्य समझ रही थी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल होने पहुंचे तो बनारसी स्टाइल में गमछा उनके गले में दिखा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेहदीगंज में किसान सम्मेलन को संबोधित करने के बाद माँ गंगा का दर्शन और आशीर्वाद लेने दशाश्वमेध घाट पहुंचे. 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था मुझे माँ गंगा ने बुलाया है, फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- मुझे माँ गंगा ने गोद ले लिया है. मंगलवार को प्रधानमंत्री इसी माँ गंगा की गोद में बैठ कर आरती में शामिल हुए.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साथ हीं मां गंगा का वैदिक रीति से पूजन भी किया. प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया. इसके पहले भी कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ **शेष पेज 2 पर**

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43081

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

हर दिन प्रभु का दिया गया हमारे जीवन का सुंदर उपहार रहता है. मानवता की सेवा के साथ यह प्रयास करें कि दिनभर अपने स्तर पर किसे खुशियां दे सकते हैं. खुशी केवल पैसे या मदद से नहीं दी जा सकती है. खुशी तो अपने स्वभाव,अपने व्यवहार से भी दी जा सकती है. जब हम किसी को मदद नहीं कर सकें तो ऐसी स्थिति में कम से कम अपने व्यवहार से उसे खुशियां देने का प्रयास कर सकते हैं. प्रकृति का नियम है, जो हम बांटते हैं, वही हमें वापस मिलता है. जितना संभव हो जीवन फूल का प्रतीक मानकर जिएं, जो उसे तोड़ने वाले के हाथ में खुशबू अवश्य देता है.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

आराधना परिवार का 20 को रक्तदान शिविर

सामाजिक पहल, अधिकाधिक युवाओं से शामिल होने का आग्रह

अमरावती. सफलतम व्यवसायी के साथ समाजिक कार्य में अग्रणी आराधना प्रतिष्ठान द्वारा 20 जून को जवाहर रोड स्थित शो रूम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है. सुबह 11 बजे से आयोजित इस शिविर में सामाजिक दायित्व की भावना से अधिकाधिक संख्या में युवाओं से सहभागी होकर इसे सफल बनाने का आग्रह आराधना परिवार के प्रमुख पूरणलाल हबलानी ने किया है. उनके मुताबिक गर्मी के दिनों में रक्त की कमी कारण कई गरीब मरीजों के लिए समस्या पैदा होती है. कई बार बात जान पर बन आती है.

इसी को ध्यान में रखते हुए मानवीय मूल्यों तथा मानवता की सेवा को ध्यान में रखते हुए इस सामाजिक उपक्रम का आयोजन किया जा रहा है. शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को भेंट एवं प्रमाणपत्र भी प्रतिष्ठान की ओर से प्रदान करते हुए सम्मानित किया जाएगा. मौके का अधिकाधिक संख्या में युवाओं से लाभ लेने तथा मानवता के इस कार्य में अपना योगदान देने का आग्रह आयोजकों ने किया है.

इस बारे वर्षों से व्यवसाय के साथ ही सामाजिक, धार्मिक तथा मानवसेवी उपक्रमों में अग्रणी रहने वाले पूरणलाल हबलानी ने कहा कि स्वयंम के आलावा हर व्यक्ति को सामाजिक और मानवीय सेवा के माध्यम से प्रयासरत रहना चाहिए. आराधना परिवार द्वारा पिछले कई वर्षों से इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया जा रहा है. कोरोना महामारी के कारण इसमे ब्रेक लगता था लेकिन अब सब कुछ सुचारु होने के कारण इस सामाजिक उपक्रम को शुरु किया जा रहा है. शिविर में जमा होने वाले रक्त का उपयोग गरीब एवं जरुरतमंद मरीजों के लिए किया जाएगा. उन्होने अंबानगरी की उज्वल परंपरा को कायम रखते हुए अधिकाधिक युवाओं से रक्तदान करने का आग्रह किया है. रक्तदान को श्रेष्ठदान बताते हुए उन्होंने मानवता के इस उपक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा सफल बनाने का आग्रह शहरवासियों से किया है.रक्तदान के सफल आयोजन में डॉ.पंजाबराव देशमुख स्मृति वैद्यकीय अस्पताल की रक्तपेढ़ी के साथ ही रक्तदान समिति के अध्यक्ष महेन्द्र भुतड़ा, अजय दातेराव सहित सभी संबंधितों का सहयोग मिल रहा है.

ज़ीवन की सुंदरता को निखारता है परमार्थ

पं.प्रदीप मिश्रा की सीख, जितना संभव हो किसी के भी काम में आने का प्रयास करना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

पर्यावरण, रक्तदान भी श्रेष्ठ कार्य

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मानवता की सेवा और धर्मानुकूल आचरण ही भारत की सदैव सबसे बड़ी ताकत रहा है. प्रकृति हमें बहुत कुछ देती है. लेकिन हम प्रकृति का नाश करते हुए अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हैं.पर्यावरण की सुरक्षा के साथ ही इसमें संतुलन पर जोर देने के साथ ही स्वयं भी अभी तक हजारों पौधे रोपित करने वाले पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक इस साल बारिश में हजारों की संख्या में पौधे लगाते हुए वसुंधरा को हरा-भरा करने का संकल्प सभी को लेना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर मानव की आधी समस्या का वैसे ही समाधान हो जाएगा.

मानव जीवन बड़े भाग्य से प्राप्त होता है. लेकिन मानव जीवन मिलने के बाद भी जो लोग केवल स्वयं के लिए जीते हैं, उनका जीवन पशुवत होता है. लेकिन जो लोग समाज और राष्ट्र के लिए जीते हैं, उनका जीवन धन्य होता है. इसलिए जितना संभव हो सके, अपनी क्षमता के मुताबिक हर व्यक्ति को पीड़ित, दिव्यांग, गरीब और जरूरतमंदों की मदद का प्रयास करना चाहिए. आप जब किसी की मदद करते हैं तो निश्चित रूप से हमें तो सुकून मिलता ही है लेकिन किए गए अच्छे काम की खुशी सदैव दोनों को मिलती है. इसलिए जितना हो सके मदद की आदत डाल लेनी चाहिए. प्रकृति किए गए अच्छे काम का बदला किस रूप में देती है, यह कोई नहीं जानता है. लेकिन किया गया अच्छा कर्म कभी भी बेकार नहीं जाता है. इस आशय का मत सुख्यात प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा ने दिया. उनकी कथाओं में मानवता की सेवा को अत्याधिक महत्व देते हैं. उनके मुताबिक परमार्थ कभी भी बेकार नहीं जाता है.

ज़ीवन में दुःख का कारण अत्याधिक धन संचय की मानसिकता रहती है. पैसा श्रेष्ठ है लेकिन वह कभी भी सर्वश्रेष्ठ नहीं हो सकता है, इसका हर व्यक्ति को ध्यान रखना चाहिए.उनकी जहां भी शिव महापुराण कथा होती है, वहां भक्त जुटने लगते हैं. कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा पर भोलेनाथ की जहां अपार कृपा होती है, वहीं दूसरी ओर उनकी कथा के स्थल पर सेवा देने के लिए जिस तरह से हजारों की संख्या में स्वयंसेवक जुट जाते हैं, वह भी मानवता की सेवा से कम नहीं है. कथा स्थल पर उमड़ने वाली लाखों की भीड़ ही उनकी कथा की महत्ता बताती है. उनके मुताबिक जीवन को परमार्थ के माध्यम से संवारने का सदैव प्रयास करना चाहिए. इससे अपार खुशी मिलेगी.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

शिक्षा ही नहीं, सर्वांगीण विकास की गारंटी है पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल

शिक्षा के साथ खेल में कई छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरी, प्राचार्य सुधीर महाजन के कुशल नेतृत्व में रच रहे हैं एक से बढ़कर एक इतिहास

अमरावती- छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के साथ ही आदर्श संस्कार, भारतीय परिवेश के साथ ही हर क्षेत्र में बेहतरीन बनाने का कार्य पोदार इंटरनेशनल स्कूल के माध्यम से किया जाता है. यही कारण है कि केवल अमरावती नहीं बल्कि विदर्भ तथा राज्यस्तर पर इस विद्यालय ने स्वयं का स्थान बनाया है. विद्यालय में प्रवेश का मतलब होता है कि छात्रों का सर्वांगीण विकास.संस्था संचालकों के नेतृत्व और प्राचार्य सुधीर महाजन के नेतृत्व में विद्यालय में छात्रों को शिक्षा के साथ बेहतरीन संस्कार और जीवन संवारने का प्रयास किया जाता है. सर्वगुण सम्पन्न छात्र निर्माण का कार्य विद्यालय द्वारा किया जा रहा है. राष्ट्रीय स्तर के खेल, गणित सहित अन्य परीक्षाओं में विद्यालय के छात्रों द्वारा शानदार कामयाबी हासिल करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया जाता है.

शिक्षा क्षेत्र में अभी तक कई दर्जन पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्राचार्य सुधीर महाजन जहां छात्रों के विकासार्थ स्वयं को झोंके हुए हैं, वहीं दूसरी ओर उनके द्वारा समय-समय पर छात्रों के लिए सेमिनार और मार्गदर्शन सत्र भी लिया जाता है. इस माध्यम से छात्रों को बेहतरीन साथ ही उच्च शिक्षित शिक्षकों द्वारा खेल, पर्यावरण, माता-पिता की सेवा के साथ ही शिक्षा के साथ ही छात्रों के सर्वां गीण का ध्यान दिया जाता है. यही कारण है कि आज यह विद्यालय अमरावती जिले ही नहीं बल्कि विदर्भ की शान बना हुआ है. छात्रों के सर्वां गीण विकास के साथ ही अभिभावकों को बुलाकर उनका भी मार्गदर्शन किया जाता है. संचालकों के साथ ही यहां बच्चों को हर तरह की सुविधाएं दी जाती हैं. स्वास्थ्य को लेकर समय-समय पर सुख्यात डाक्टरों के मार्गदर्शन का सत्र रखा जाता है. इससे विद्यालय में प्रवेश के लिए अभिभावकों की भीड़ उमड़ती है. विद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही यह विदर्भस्तर पर तेजी से लोकप्रिय होने के कारण छात्रों की चाहत यही विद्यालय बनता जा रहा है.

बिना पर्यावरण के इन्सान जिंदा नहीं रह सकता है. यही कारण है कि प्रकृति है तो ही इन्सान है. इसके महत्व को बताते हुए विदर्भ के सुख्यात पोदार इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों को पर्यावरण का महत्व बताया ज़ाता है. विश्व स्तर पर आयोजित होने वाले हर दिवस पर यहां छात्रों का मार्गदर्शन किया जाता है. कुल मिलाकर शिक्षा के साथ ही छात्रों के सर्वां गीण विकास का यह विद्यालय केन्द्र बना हुआ है. विद्यालय में उच्च शिक्षित एवं अनुभवी शिक्षकों के साथ ही छात्रों को हर प्रकार की गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. यह विद्यालय अमरावती की शान है.

श्री सरयूपारीण ब्रह्मण प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया

श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा क़ी सराहनीय पहल, अध्यक्ष मुकेश तिवारी तथा टीम की सराहना

विदर्भ स्वाभिमान, 19 जून

स्थानीय श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा, अमरावती विगत अनेकों वर्षों से दसवीं तथा बारहवीं परीक्षा में प्रवीणता प्राप्त मेधावी छात्रों का सम्मान करते आ रही है, अपनी इसी बृहद परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी मेधावी छात्राओं एवम उनके अभिभावकों का सम्मान तथा सत्कार समारोह रविवार को श्री गणोरकर मठ, अमरावती यहां व्यापक स्तर पर आयोजित किया गया . सभा के अध्यक्ष श्री मुकेश जी तिवारी इनकी अध्यक्षता में आयोजित समारोह में उपाध्यक्ष आनंद जी मिश्रा, सचिव डॉक्टर मनीष जी दुबे, सह सचिव राजेंद्र प्रसाद जी पांडेय, सदस्य डॉक्टर सतीश जी तिवारी, रुपेश जी तिवारी, शैलेंद्र जी मिश्रा, युवा अध्यक्ष अमित जी तिवारी, कार्याध्यक्ष अवधेश मिश्रा एवम श्री हिमांशु जी उपाध्याय मंच पर उपस्थित थे.

कार्यक्रम की शुरुआत विप्र देवता भगवान परशुराम जी की प्रतिमा का पूजन कर दीप प्रज्वलित कर की गई. तत्पश्चात मेधावी छात्रों का उपस्थित पदाधिकारीयों के करकमल द्वारा गौरव चिन्ह, पुष्पगुच्छ, नगद धनराशि प्रदान कर मेधावी छात्रों का उनके

अभिभावकों के साथ सम्मान एवं सत्कार किया गया. इस वर्ष स्व दुर्गादेवी लालताप्रसाद जी उपाध्याय की स्मृति में उपाध्याय परिवार की ओर से सभी मेधावी छात्रों को नगद पुरस्कार धनराशि भी उपाध्याय परिवार की ओर से उपस्थित श्री हिमांशु जी उपाध्याय के हाथों प्रदान की गई. साथ ही श्रीमती नमिता जी तिवारी द्वारा छात्रों को भेंटवस्तु हस्तांतरित की गई. इस उपलक्ष में मंच पर उपस्थित सभा के नवनियुक्त सदस्य तथा जाने-माने बालरोग तज्ञ डॉक्टर सतीश जी तिवारी इन्होंने उपस्थित छात्रों को समयोचित मार्गदर्शन कर भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभा द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम की भूरि प्रशंसा की तथा इस तरह के सराहनीय आयोजन यकीनन अन्य छात्रों के लिए प्रेरणादाई एवम अनुकरणीय बताया. समारोह में उपस्थित नामचीन कवि श्री दीपक जी दूबे 'अकेला' इन्होंने शीघ्र कविता प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया. उपरोक्त समारोह निम्लिखित मेघावी छात्रों को सम्मानित किया गया.

समारोह में सम्मानित होने वाले दसवीं के मेधावी और समाज की शान बढ़ाने वाली प्रतिबाओं में गौरी प्रेमकुमार पाण्डेय,हर्षल संजय तिवारी,रिमझिम राजेश शुक्ला,श्रृष्टि राजेश चौब,सक्षम विनय मिश्रा,दिया विवेक मिश्रा,आयुष सोनल तिवारी,ऋषभ अशोक पाण्डेय,पलक मनोज मिश्रा,तथा बारहवीं में आरुषि सुरेन्द्र शुक्ला,सार्थक मुकेश दुब का समावेश है. शानदार समारोह का संचालन सभा के सचिव डॉ. मनीष दुबे ने करते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा ने माना.समारोह की सफलतार्थ सोनल तिवारी, अमित जी तिवारी, श्री अवशेष जी मिश्रा, श्री हिमांशु जी तिवारी, श्री विकास जी पांडेय, श्री मनोज जी मिश्रा, श्री प्रदीप जी पांडेय इन्होंने प्रयास किए तथा प्रा संजय जी तिवारी, श्री प्रेम कुमार जी पांडेय, श्री अशोक जी पांडे, श्री राजेश जी चौबे, श्री आदित्य प्रसाद पांडेय, श्री सुरेंद्र जी शुक्ला, श्री सुभाष जी मिश्रा श्री दीपक जी दूबे, श्री अनिकेत जी मिश्रा, सौ सारिका जी मिश्रा, सौ नमिता जी तिवारी, सौ मनीषा जी उपाध्याय, श्रीमती वीना जी मिश्रा इनकी उपस्थिति रही.श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा की युवा इकाई के साथ ही समस्त कार्यकारिणी के कार्यों की सराहना की जा रही है.

सफलतम व्यवसायी, मानवता की सेवा में समर्पित व्यक्तित्व
सभी की मदद को तत्पर रहने वाले दिलदार मित्र

मनोजभाऊ डफळे

को जन्मदिन 20 जून

क़ो ढेरों शुभकामनाएं, आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

करें परहेज, गर्भावस्था के दौरान सीने में होती है जलन

गर्भावस्था के दौरान होने वाले बदलाव में से एक महत्वपूर्ण बदलाव जिसके कारण सीने में जलन होना आम बात है. इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए.गर्भावस्था में पाचनयंत्र कमजोर होने से सीने में जलन की परेशानी होती है.गर्भावस्था में इम्यूनिटी के साथ पाचन तंत्र भी कमजोर हो जाता है.इस समय पाचन ठीक नहीं हो अपने से और गर्भाशा में शिशु को जगह देने से आसपास के अंगों पर दबाव पड़ता है,जिससे पाचन से जुड़ी कई तरह की समस्याएं जैसे की गैस अपच और सीने में जलन हो सकती हैं.गर्भावस्था के 20 हफ्ते के बाद में यह परेशानियां और बढ़ जाती हैं.शिशु का आकार बढ़ाने पर उसे ज्यादा जगह की जरूरत पड़ने लगती है और इससे डायाफ्राम पर दबाव पड़ता है.पेट का खाना भोजन नली में वापस आ जाता. इस वजह से सीने में जलन हो सकती है.कुछ पदार्थ भी सीने में जलन पैदा कर सकते हैं.इसीलिए अगर गर्भावस्था में सीने में जलन या पाचन में कोई परेशानी हो तो इन चीजों को खाने से बचें.गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को नींबू और मसालेदार पदार्थों को खाने से बचना चाहिए.इन परेशानियों से बचने के लिए सुबह उठ कर नारियल का पानी पीना बेहतर रहता है.नारियल पानी कई विटामिनों से युक्त रहता है,इसमें बड़ी मात्रा में खनिज भी पाया जाता है.इसके माध्यम से शरीर में पानी की भी पूर्ति होती है.गर्भवती महिला को यह सारी सावधानी बरतने से काफी लाभ होता है.महिलाओं को इसका गंभीरता से ध्यान रखना चाहिए.

इंसानियत से भरे मददगार,यारों के दिलदार यार हैं मनोजभाऊ

प्रतिनिधि, 19 जून

अमरावती- ज़ीवन में जो लोग दूसरों के दुःख से दुखी हो जाते हैं, अपने स्तर पर हर संभव सहयोग की भावना रखते हैं, उन्हें जीवन में कभी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है. परेशानी आने पर स्वयं उनकी भगवान मदद करते हैं. व्यवसायी रहने के बाद भी इंसानियत से परिपूर्ण यारों के दिलदार यार, अमरावती जिला केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट संगठन के उपाध्यक्ष मनोज डफळे ऐसे ही व्यक्ति हैं. व्यवसाय के माध्यम से मानवता की सेवा करने का सदैव प्रयास करते हैं. सामाजिक कामों में किसी किसान की गरीब बेटी की शादी हो, किसी को ब्लड देने की बात हो या अन्य कार्य सदैव तत्पर रहते हैं. उनके मुताबिक जो सभी का अच्छा सोचता है, उसका कभी बुरा नहीं होता है. मानवता की सेवा से बडा धर्म नहीं हो सकता है. हर इन्सान को दूसरे इंसान का दर्द और भावनाएँ समझने तथा इसके मुताबिक व्यवहार करने का प्रयास करना चाहिए.

शहर में मानवता की सेवा के समर्पित युवा व्यवसायी के रूप में श्रद्धा मेडिकल्स के संचालक मनोज डफळे का उल्लेख किया जाता है. व्यवसाय के साथ ही वे सामाजिक कामों में जहां अग्रणी रहते हैं, वहीं दूसरी ओर सदैव नेक कामों में योगदान देने से पीछे नहीं हटते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

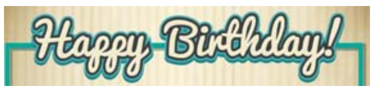

उनके मिलनसार स्वभाव के कारण हजारों का मित्र परिवार उन्होंने जहां बनाया है, वहीं दूसरी ओर कोरोना महामारी के दौरान जिस तरह से गरीबों की सेवा की, उसकी सराहना सभी करते हैं. उनका 26 जून को जन्मदिन है. उन्हें विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ो हार्दिक शुभकामनाएं.

अमरावती शहर के सुख्यात केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट मनोजभाऊ का कहना है कि हर व्यक्ति को अपनी ओर से जितना संभव हो, मानवता की सेवा करनी चाहिए. सेवा केवल पैसे से ही नहीं होती है बल्कि किसी जरूरतमंद को रक्तदान कर भी हम सेवा कर सकते हैं. किसी नेत्रहीन को सड़क पार कराकर भी सेवा की जा सकती है. मानव को मानव के काम आने का संदेश वे देते हैं.

हरदिल अजीज यार मनोजभाऊ का मानना है कि मानवता से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है. देश प्रेम की भावना से जहां वे समर्पित हैं, वहीं दूसरी ओर कोरोना महामारी के दौरान उनके द्वारा की गई जनसेवा शहरवासी कभी नहीं भूल सकते हैं. आज भी शहर की सामाजिक, शैक्षिक तथा अन्य कामों में वे सदैव आगे रहते हैं. स्वयं के साथ ही मित्रों को भी सदैव सामाजिक कामों में प्रेरणा देने का काम करते हैं. मनोजभाऊ के मुताबिक सकारात्मक सोच न केवल स्वयं के लिए बेहतरीन रही है बल्कि साथ में रहने वालों को भी प्रेरणा देती है.अच्छाई में बुराई को भगाने की ताकत होती है. लेकिन इसके साथ अच्छाई दिखाने के लिए नहीं बल्कि दिल की जानी चाहिए. ऐसा करने के बाद ही अच्छाई का असर दिखाई देता है. स्वयं के माध्यम से अच्छा करने की सोच रखने वाले ही जीवन में कामयाबी हासिल करते हैं. इसलिए प्रभु पर विश्वास रखते हुए सदैव नेकी के काम करते रहें. इससे निश्चित ही जीवन में चमत्कारिक खुशी और सम्पन्नता मिलेगी. कर्म का मूल्यांकन यहां और वहां दोनों ही स्थानों पर होता है.उनका 26 को जन्मदिन है, सभी के चहेते मनोज भाऊ को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलय हार्दिक शुभकामनाएँ. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, उनकी सभी चाहतें पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

सदस्यता पंजीयन शुरू
विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.
मो. 8855019189
9518528233

दिल के राजा
सभी की मदद को तत्पर
यारों के दिलदार यार
सभी के चहेते, जिला केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट संगठन के उपाध्यक्ष,सामाजिक कामों में अग्रणी, श्रद्धा मेडिकल्स के संचालक
मनोजभाऊ डफळे
को जन्मदिन की हार्दिक
शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक- मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा हजारों केमिस्ट मित्र मंडल,अमरावती.

हजारों ने दी समाजसेवी नितिन कदम को शुभकामनाएँ

पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख, मिलींद चिमोटे सहित नेताओं, समाजसेवियों, विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों ने किया स्वागत, सभी के प्रति जताया आभार,कहा-जनता का प्रेम देता है ताकत

विदर्भ स्वाभिमान,19 जून

राजनीति के माध्यम से समाजसेवा को और गति देने के नेक उद्देश्य से सामाजिक कार्यों की श्रृंखला चलाने वाले सुख्यात समाजसेवी और व्यवसायी नितिन कदम का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया. इस उपलक्ष्य में हजारों चहेतों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. साथ ही कहा कि लोगों का यही प्रेम उन्हें सदैव सामाजिक काम करने के लिए प्रेरित करता है. समाजसेवा के मामले में लगातार प्रयासरत रहने वाले नितिन कदम जहां सफलतम व्यवसायी हैं, वहीं बेहतरीन व्यक्ति के रूप में सदैव सामाजिक कामों में अग्रणी रहती हैं. उनका जन्मदिन भी सेवा दिवस के रूप में मनाया गया.

बडनेरा निवासी और सफलतम व्यवसायी नितिन कदम की लोकप्रियता तेजी से न केवल जिले में बल्कि सभी स्थानों पर बढ़ रही है. गरीबों की मदद, किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए वे जहां सदैव तत्पर रहते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने जनता की सेवा को अपना उद्देश्य बना लिया है. उनके जन्मदिन 16 जून को विभिन्न सामाजिक उपक्रमों का आयोजन किया गया है. मिलनसार, गरीबों के कैवारी के साथ ही दीन-दलितों पीड़ीतों की मदद के लिए तैयार रहने के कारण उन्हें बडनेरा के सेवा योद्धा के रूप में लोग सम्मान दे रहे हैं. इतना ही नहीं तो उन्हें भावी विधायक के रूप में देख रहे हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. लोगों से मिल रहे प्यार को वे अपनी असली दौलत मानते हैं. जनता की सेवा में सदैव स्वयं को झोंकने का प्रयास करते हैं. उनके जन्मदिन पर गरीब व जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन, विद्यालय जाने वाले लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर रहने के कारण साइकिल नहीं ले सकने वाले 10 जरूरतमंद छात्रों को साइकिल, दिव्यांगों को तिपहिया साइकिल, सैकड़ों युवाओं को रोजगार के लिए हाथगाड़ी का वितरण भी किया गया. सुबह से लेकर रात तक लगातार शुभकामना संदेश आना शुरू था. उन्होंने सभी के प्रति आत्मीय कृतज्ञता जताते हुए सदैव इसी तरह का प्रेम और अपनापन मिलने का विश्वास जताया.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

विश्व योग दिवस

पूरक है होम्योपैथी और योग विज्ञान

शुक्रवार 21 जून को विश्व योग दिवस पर सभी को शुभकामनाएं. भारतीयों के जीवन में योग तथा होमियोपैथी एक-दूसरे के पूरक हैं. आज अगर पूरे विश्व में योग और प्राणायाम को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है तो यह सभी भारतीयों के लिए किसी गर्व से कम नहीं है. इनका संबंध हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा होता है. भारतीय संस्कृति,जीवन शैली में जब भी हम हमारी जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने का प्रयास करते हैं तो इसका असर तुरंत हमारे स्वास्थ्य पर दिखाई देता है. हमारे अति प्राचीन योग साधना, प्राणायाम को आज अगर समूचा विश्व आजमा रहा है तो इसे हमारी महानता कहना गलत नहीं होगा. समय के साथ नाम में भले ही बदलाव हुआ हो लेकिन आज भी भारतीय योग और होम्योपैथी चिकित्सा पूरे विश्व में छा रही है. भागदौड़ तथा तनाव भरी जिंदगी से राहत पाने के लिए हर व्यक्ति द्वारा योग और इससे जुड़ी सुविधाओं का उपयोग किया जा रहा है.

जिन बातों को भारतीय ऋषि-मुनियों ने सैकड़ों साल पहले बताया था और उसकी महत्ता बताई थी, आज यह बातें योग साधना के रूप में समूचे विश्व की समझ में आ रही हैं, इतना ही नहीं तो पूरा विश्व इन पर हमसे भी अधिक मजबूती से अमल कर रहा है. पूरे विश्व में योग विज्ञान का प्रचार तेजी से हो रहा है.विश्व भर में 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाया जाता है. यह हम सभी भारतीयों के लिए गौरव से कम नहीं है.योग विज्ञान की यह लहर भारत ही नहीं तो समूचे विश्व में फैल रही है.आज इसे विश्व व्यापी मान्यता मिल गई है. प्राणायाम तथा योगासन द्वारा ऊर्जा तथा आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलती है. यह बात आज पूरा विश्व मान रहा है. योग विज्ञान ने यह प्रमाणित किया है कि हमारे शरीर के सभी अवयव तथा सभी क्रियाएं प्राणों से जुड़ी होती हैं. यह प्राण हमारे

प्रा.डॉ.रामगोपाल तापड़िया
एम.डी. (होमियोपैथी)
प्रा.डॉ.सारंग रा. तापड़िया
एम.डी. (होम.मेडिसीन)
मोबाइल नं. 9422159636

शरीर में विभिन्न रूपों में होता है इसी प्राण शक्ति को आधुनिक भाषा में हम रोग प्रतिकार शक्ति कह सकते हैं.जब प्राण शक्ति के प्रवाह में किसी कारण से बाधा पैदा होती है तो यह बीमारियों के रूप में हमें परेशान करती है. अधिकांश रोग और बीमारियां शारीरिक तथा मानसिक कर्म से होती हैं. मानसिक तनाव होने पर आपस में लड़ाई-झगड़ा, चिढ़चिढ़ाहट जैसी कई समस्याएं पैदा होती हैं. योग से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मन मस्तिष्क भी प्रसन्न रहता है. इस आधार पर होम्योपैथी दवाइयां इन बीमारियों पर कारगर असर करती हैं.जीवन में यदि हमने होमियोपैथी दवाइयां के साथ दैनिक जीवन में योगासन प्राणायाम को भी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया तो यह हमारे सुखी और स्वस्थ जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं. योग के साथ होम्योपैथी दवाइयों के सेवन से स्वस्थ और खुशहाल जीवन जिया जा सकता है.यही कारण है कि योग विज्ञान और होमियोपैथी को एक-दूसरे का पूरक कहा जाता है.पुरानी सर्दी, आर्थराइटिस, गाऊट,सर्वाइकल स्पांडिलाइसिस, दिल की बीमारी तथा मानसिक रोग के साथ ही समुचित आहार विहार का जीवन में अत्याधिक महत्व होता है. वर्तमान दौर में सभी को परेशान करने वाली हाइपर एसिडिटी, गैस की समस्या, मधमेह, थायराइड जैसी बीमारी में होमियोपैथी दवाइयां कारगर साबित हो रही हैं. यही कारण है कि आज होमियोपैथी चिकित्सा में लोगों का विश्वास तेजी से बढ़ा है. इन दवाइयों के सेवन के साथ योगासन करने से व्यापक लाभ होता है. योगासन विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में ही योगासन तथा प्राणायाम किया जाना चाहिए.

आज पूरे विश्व में भारतीय योग और प्राणायाम का जब डंका बज रहा है तो हम सभी भारतीय भी स्वस्थ तथा खुशहाल रहने के लिए अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे शामिल करने का प्रयास करें. तो निश्चित ही इसका लाभ होगा और हम स्वस्थ जीवन प्राप्त करने में सफल होंगे. होमियोपैथी और योग विज्ञान का गहरा संबंध है. दोनों ही स्वास्थ्य बेहतर बनाते हैं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विदर्भ स्वाभिमान
मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे 9423426199/8855019189

❖ अमरावती, गुरूवार 20 से 26 ज़ून 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 52 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षो से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. माता-पिता की जिन घरों में पूजा और सम्मान होता है, वहां की आधी से अधिक समस्याओं का निराकरण स्वयं ही हो जाता है. इसलिए सुबह से लेकर रात तक सदैव अच्छे सकारात्मक विचार दिल में रखें, सभी का दिन मंगलमय हो.

ख़ुशी नहीं है कोई वस्तु, कर्म का आईना है

खुशी कोई वस्तु नहीं है. यह बाजार में नहीं मिलती है. जो लोग दिल से खुश रहते हैं और सभी को खुश रखने की भावना रखते हैं, उनकी खुशियां सदैव बढ़ती ही जाती हैं. लेकिन जिन लोगों में किसी की प्रगति बर्दाश्त करने का बड़प्पन नहीं रहता है, जुबान भी सही नहीं रहती है, ऐसे लोगों के लिए खुशियां ढूंढने का माध्यम रहती हैं. खुशियां पाना है तो जीवन में कभी किसी को सताना नहीं चाहिए. खुशी कोई बनी बनाई वस्तु नहीं है. यह हमारे कर्मों का प्रतिबिंब होती है. जब हम खुश रखने के लिए कार्य करते हैं तो खुशी हमारे पास आती है. इसलिए सदैव सकारात्मक सोच के साथ मदद की भावना और शब्दों से किसी को तकलीफ नहीं हो, यही करने का प्रयास करें.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे,

जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com